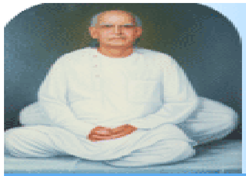

ANANDGHAN

भाव निर्झरिणी

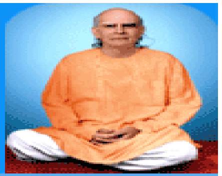

Bhav Nirjharini | SantMani | Sahitya | Sadan | Utsav

भाव निर्झरिणी   संतमणि   साहित्य   सत्संग सदन   आगामी उत्सव

हम चाहते हैं :

आत्मानन्द का प्रसार ,भक्ति ज्ञान का विहार ,
जीव मात्र का उद्धार ,शान्ति एक्य का प्रचार |
–आनन्द घन

दो शब्द सुना जा , बड़े प्यारे है | "मैं तेरा हूँ " |

लगातार 18 वर्ष की लम्बी अवधि मे लिखी गई ये वाणियाँ "भाव निर्झरिणी" बन कर बह रही है इनका बहना सफल होगा यदि भाव निर्झरिणी के नीचे बैठ जन्म - जन्मान्तर की क्षुधा शान्त कर सकेगा प्राणी |

आनन्द घन के चरणों में पुन: पुन: नमस्कार जिसने जीवन ज्योति जगाई , आनन्द की सरिता बहाई |

Select Word : भाव - BHAAV

भाव भी था योग भी था , भाव योग न था | - ज्ञान की चेतावनी – 22

आगामी उत्सव (3 महीना)

अमेरीका (वर्जिनिया),आनंद कुंज का वार्षिकोत्सव (उदघाटन-08/06/2014) - ज्येष्ठ सुदी दशमी (गंगा दशहरा)
01/06/2020 - सोमवार - अमेरीका (वर्जिनिया) -

पुणे,मातृधारा आनन्द सत्संग का वार्षिकोत्सव (उदघाटन-24/06/2010) - ज्येष्ठ सुदी तेरस
04/06/2020 - गुरूवार - पुणे -

Developed By Shree Anand Matru Satsang,Bhayander(Mumbai)

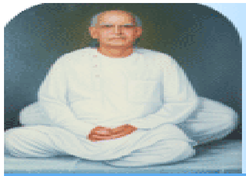

ANANDGHAN

भाव निर्झरिणी

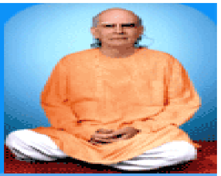

Bhav Nirjharini | SantMani | Sahitya | Sadan | Utsav

भाव निर्झरिणी संतमणि साहित्य सत्संग सदन आगामी उत्सव

www.bhavnirjharini.com

भाव निर्झरिणी वेबसाइट में गुरुजी द्वारा लिखित वाणियाँ, प्रवचन और लेखों का डिजिटल संकलन एक जगह पर करने का छोटा सा प्रयास है , जिससे सब भक्त जन आसानी से मोबाइल पर उन्हे पढ सके |

वेबसाइट में पांच शीर्षक दिये गये है , उन पर क्लिक करके उनकी पुरी जानकारी प्राप्त की जा सकती है |

Developed By Shree Anand Matru Satsang,Bhayander(Mumbai)

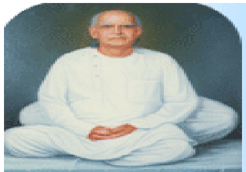

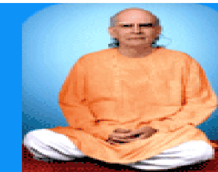

लगातार 18 वर्ष की लम्बी अवधि मे लिखी गई ये वाणियाँ "भाव निर्झरिणी" बन कर बह रही है इनका बहना सफल होगा यदि भाव निर्झरिणी के नीचे बैठ जन्म - जन्मान्तर की क्षुधा शान्त कर सकेगा प्राणी |

आनन्द घन के चरणों में पुनः पुनः नमस्कार जिसने जीवन ज्योति जगाई , आनन्द की सरिता बहाई |

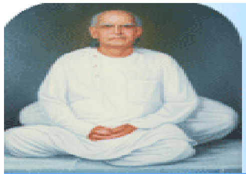

ANANDGHAN

भाव निर्झरिणी

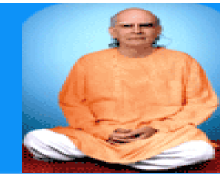

Bhav Nirjharini | SantMani | Sahitya | Sadan | Utsav

भाव निर्झरिणी

Total:7610

Vani
कोई आँखों में बसने को कहता है , कोई दिल में समाने को . यहाँ तो सब पूर्ण होते हुए भी तुम्हारे बिना अपूर्ण | भाव-1
बाहर की पूजा , संस्कार से मुक्त न कर सकी। भक्ति की चेतावनी-1
कैसे रिझाऊँ और दिल बहलाऊँ ? बहार ही बहार , जहाँ नहीं हार। भक्ति-1
रंगीली दुनिया का रंग मन , रंगीला मन , दुनिया का रंग ही बदल डालता है | ज्ञान की चेतावनी-1
प्रकृति के रंगों में सुख-दु:ख खोजता है , प्रकृति जिसके रंग में रँगी है उसे भी खोज | चेतावनी-1
निन्दा को निद्रा कहाँ ? प्रशंसा में शंका आई | दोनों के युद्ध में जीवन समाप्त | वाह रे खेल | चेतना-1
सृष्टि सजी , किन्तु शांति न ली - न सृष्टि ने , न जीव ने - स्रष्टा मुस्कराता रहा | ज्ञान-1

First Page | Next Page | Last Page

Records per Page : 5

Developed By Shree Anand Matru Satsang,Bhayander(Mumbai)

भाव निर्झरिणी के सात अध्यायों में 7610 वाणियाँ है, वाणी कैसे खोजें ?

- 1- शब्द बीच में
- 2- शब्द के साथ शुरू
- 3- सटीक शब्द
- 4- वाणी संख्या

Developed By Shree Anand Matru Satsang,Bhayander(Mumbai)

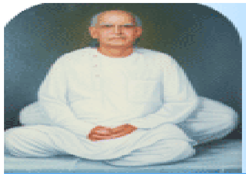

ANANDGHAN

भाव निर्झरिणी

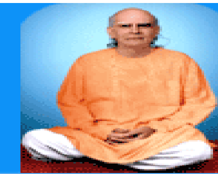

Bhav Nirjharini | SantMani | Sahitya | Sadan | Utsav

भाव निर्झरिणी

भाव निर्झरिणी पर क्लिक करें

चेतावनी

भक्ति की चेतावनी

ज्ञान की चेतावनी

भक्ति

चेतना

भाव

ज्ञान

अध्यायों में सभी या किसी एक अध्याय का चयन करें

In Between

- In Between
- Exact Word
- Start With
- Vani No Start

1- शब्द बीच में
2- शब्द के साथ शुरू
3- सटीक शब्द
4- वाणी संख्या

खोज विकल्प चुनें। डिफ़ॉल्ट रूप से (बीच में)

Developed By Shree Anand Matru Satsang,Bhayander(Mumbai)

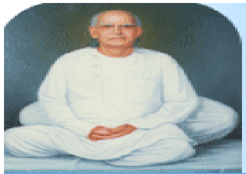

ANANDGHAN

भाव निर्झरिणी

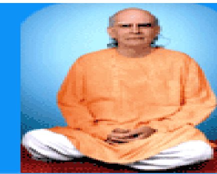

Bhav Nirjharini | SantMani | Sahitya | Sadan | Utsav

Chapters : All | Exact Word

Search By VaniNo/Word : AADHAAR Enter

English Search Click and Press Enter :

AADHAAR - आधार - FOUNDATION

Hindi Search Click and Press Enter :

आधार - FOUNDATION

Select Exact Word

अंग्रेजी में शब्द लिखें / चुने और Enter दबाएं

क KA , का KAA, कि KI , की KEE, कु KU, कू KOO, के KE

(आप हिंदी और अंग्रेजी शब्द की तैयार लाइब्रेरी से चयन कर सकते हैं)

Total:7610 Search: 32 For AADHAAR

Vani
मूल संख्या में मूल जोड़ा तो शून्य हुआ और एक रहा | एक न रहे तो संख्या का आधार कहाँ ? ज्ञान-31
आधार बड़ा | ठीक | किन्तु वस्तु न होती , भाव न होता तो आधार, बह जाता | ज्ञान की चेतावनी-55
सरल को समझदारों ने गरल सा बनाया पुस्तकों के आधार पर | चेतना-143
किसका आधार ? जरा सोच तो सही किसका आधार | खुद का आधार खुद , जिसे लोग कहते खुदा | भक्ति की चेतावनी-177
अब कैसे रहूँ , कैसे सहूँ , कैसे कहूँ जिसका आधार था आज वही छिप कर बैठ गया कण कण में , नीले आकाश में | न इतना सूक्ष्म बन पाता हूँ और न इतना महान | न सही , उसका तो है इतना ही यथेष्ट है | भाव-197

First Page | Next Page | Last Page

Developed By Shree Anand Matru Satsang,Bhayander(Mumbai)

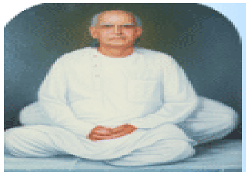

ANANDGHAN

भाव निर्झरिणी

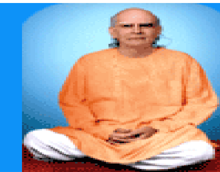

Chapters : All ▾ Start With ▾

Search By VaniNo/Word : PYAAR Enter

English Search Click and Press Enter :

PYAAR - प्यार - LOVE

Hindi Search Click and Press Enter:

प्यार - LOVE ▾

Select Start With

अंग्रेजी में शब्द लिखें /चुने और Enter दबाएं . क KA , का KAA, कि KI , की KEE, कु KU, कू KOO, के KE (आप हिंदी और अंग्रेजी शब्द की तैयार लाइब्रेरी से चयन कर सकते हैं)

Total:7610 Search: 87 For PYAAR

Vani
प्यार में क्या मिला ? प्यार में यार मिला , जीवन का सार मिला , दिल का विहार मिला , एक नया संसार मिला | भाव-3
प्यार में धोखा ? हाँ यदि शरीर का प्यार है | भक्ति की चेतावनी-18
प्यार से खेल न कर | रो उठेगा, कहीं शान्ति नहीं। भक्ति की चेतावनी-35
प्यार का रास्ता किसने बताया ? प्यार ने | भक्ति की चेतावनी-37
प्यार की बातें कहता है , प्यार करता कहाँ ? करता तो बातें न होती प्यार होता | भक्ति की चेतावनी-40

First Page | Next Page | Last Page

Records per Page : 5 ▾

Developed By Shree Anand Matru Satsang,Bhayander(Mumbai)

Developed By Shree Anand Matru Satsang,Bhayander(Mumbai)

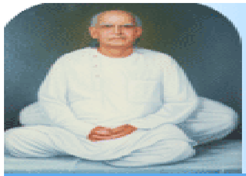

ANANDGHAN

भाव निर्झरिणी

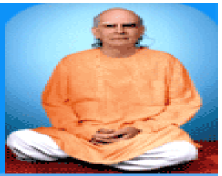

Bhav Nirjharini | SantMani | Sahitya | Sadan | Utsav

Chapters : All | In Between

Search By VaniNo/Word : 425 | Enter

English Search Click and Press Enter :

-

Hindi Search Click and Press Enter :

Select In Between -
Search By Vaani No.

अंग्रेजी में वाणी संख्या 425 लिखें और Enter दबाएं

Result - सभी अध्याय की वाणियाँ क्रम संख्या 425

Vani
श्रावण की रिमझिम तो देखी | श्रवण की रिमझिम तो सुमधुर सत्यानुरागी ही लगाता है अमृतोपम शब्दों से | तेरा रस बरसाने वाला शायद तेरस को ही धराधाम पर आया होगा | भाव-425
सम्पूर्ण विश्व तेरा साथी , यदि सम भाव हो , पूर्णता का अभिलाषी हो | ज्ञान-425
वेद नहीं पढ़ा , पढ़ा है तेरा दिल जिसमें भक्तों के लिये तड़पन है | भक्ति-425
कहा नहीं कि कोई नहीं | खुद में खेल , खुदी में न खेल | खुदा से जुदा हुआ कब ? ज्ञान की चेतावनी-425
अहंकार ने अवरोध किया , आवरण डाला , अंधकार का राज्य फैलाया . कैसे अपनापन का आगमन हो | चेतावनी-425
कामी कामिनी को , लोभी लक्ष्मी को पूजता है . काम कुछ और था | लोभ कुछ और | किन्तु पाकर भी चैन कहाँ ? चेतना-425
दम रहते शक्ति का प्रयोग कम क्यों ? भक्ति की चेतावनी-425

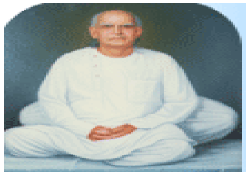

ANANDGHAN

भाव निर्झरिणी

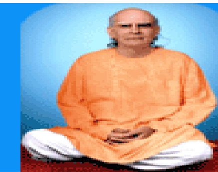

Bhav Nirjharini | SantMani | Sahitya | Sadan | Utsav

Chapters : All ▾ In Between ▾

Search By VaniNo/Word : SAADH [Enter]

English Search Click and Press Enter :

-

Hindi Search Click and Press Enter :

Select In Between

अंग्रेजी में अधुरा शब्द SAADH लिखें और Enter दबाएं

क KA , का KAA, कि KI , की KEE,
कु KU, कू KOO, के KE

(आप हिंदी और अंग्रेजी शब्द की तैयार लाइब्रेरी से चयन कर सकते हैं)

Result - साधारण साधन साधना साध सा

Total:7610 Search: 137 For SAADH

Vani
है या नहीं या क्यों है यही साधारण शंका किन्तु | किन्तु कहकर शंका न बढ़ाओ | ज्ञान की चेतावनी-6
यह बुद्धि मुझे हँसने नहीं देती , यह मन मुझे शांत कब होने देता है , ये विचार मुझे तरसाते हैं , ये साधन मेरा धन भी पहचानने नहीं देते इसीलिए परेशान और भगवान होता हुआ भी अपने को इन्सान ही समझता हूँ | चेतना-16
क्यों बातें बनाता है , साधना कर | साधना करूँ किस की ? भक्त की , भगवान की या निज की ? यह भी भ्रम है मन का | अनेक जन्म की साध पूरी हुई जब तुम मिले | भाव-31
मुख अब सम्मुख | साधना सफल | जीवन ? अब साध नहीं | भाव-53
राख रमाई साधु | शब्द रमाया संत | ज्ञान की चेतावनी-64

First Page | Next Page | Last Page

Developed By Shree Anand Matru Satsang,Bhayander(Mumbai)

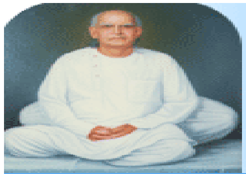

ANANDGHAN

भाव निर्झरिणी

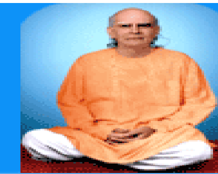

Bhav Nirjharini | SantMani | Sahitya | Sadan | Utsav

Chapters : All ▾ In Between ▾

Search By VaniNo/Word : SAADHANA Enter

English Search Click and Press Enter :

SAADHANA - साधना -CONCENTRATION ▾

Hindi Search Click and Press Enter:

Select In Between

अंग्रेजी में शब्द SAADHANA लिखें / चुने और Enter दबाएं

क KA , का KAA, कि KI , की KEE, कु KU, कू KOO, के KE

(आप हिंदी और अंग्रेजी शब्द की तैयार लाइब्रेरी से चयन कर सकते हैं)

Result - साधना शब्द की 50 वाणियाँ

Total:7610 Search: 50 For SAADHANA

Vani
क्यों बातें बनाता है , साधना कर | साधना करूँ किस की ? भक्त की , भगवान की या निज की ? यह भी भ्रम है मन का | अनेक जन्म की साध पूरी हुई जब तुम मिले | भाव-31
मुख अब सम्मुख | साधना सफल | जीवन ? अब साध नहीं | भाव-53
युगों की साधना सफल , दर्शन तो हुआ | भाव-119
साध लीन - साधना पूर्ण | भक्ति की चेतावनी-123
हरि , अब क्या रही ? साधना , आराधना कामना , भावना | भक्ति-131

First Page | Next Page | Last Page

Records per Page : 5 ▾

Developed By Shree Anand Matru Satsang,Bhayander(Mumbai)

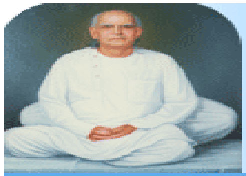

ANANDGHAN

भाव निर्झरिणी

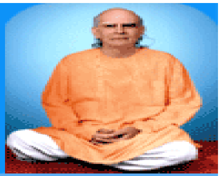

Bhav Nirjharini | SantMani | Sahitya | Sadan | Utsav

Chapters : भाव | Vani No Start

Search By VaniNo/Word : 501 Enter

English Search Click and Press Enter :

-

Hindi Search Click and Press Enter :

Select One Chapter &

Select Vani No Start

अंग्रेजी में वाणी संख्या लिखें और Enter दबाएं

Result – भाव अध्याय क्रम संख्या

501,502,503,504…… 530

घूमकर देख , कौन प्रतीक्षा कर रहा है ? तुम कौन हो जो मेरे पीछे पड़े हो ? तुम्हारा सदगुरु | भाव-501

दीपक - तूने क्या दिया ? प्रकाश यह तो बाहरी है | तुम कौन हो जो मेरे हृदय में चमक रहे हो ? तुम्हारा प्रिय | भाव-502

अब तेरा ही सहारा है | यह शरणागति है या विवशता या हृदय की छलना ? प्रश्न है दिल से | भाव-503

कितने देवता है ? एक | दुनिया तो तैतिस कोटि कहती है | कहने दे , अपना तो एक है | देव कहो या बलदेव | भाव-504

मैं न मानता था और न जानता था | किसी ने रूठे दिल को मनाया और अपना बनाया | भाव-505

शब्दों की दुनिया में क्या नहीं है ? प्रेम है , घृणा है , भाव है , अभाव है | किन्तु दिल की दुनिया में केवल एक है , केवल एक है | भाव-506

Developed By Shree Anand Matru Satsang,Bhayander(Mumbai)

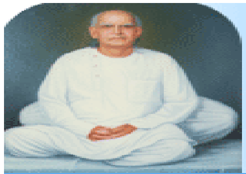

ANANDGHAN

भाव निर्झरिणी

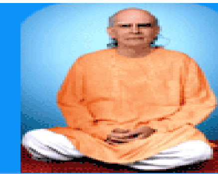

Bhav Nirjharini | SantMani | Sahitya | Sadan | Utsav

शब्द की सभी वाणियाँ क्रमबद्ध स्लाइड शो प्राप्त करें
(आप हिंदी शब्द की तैयार लाइब्रेरी से चयन कर सकते हैं)

शब्द - माँ

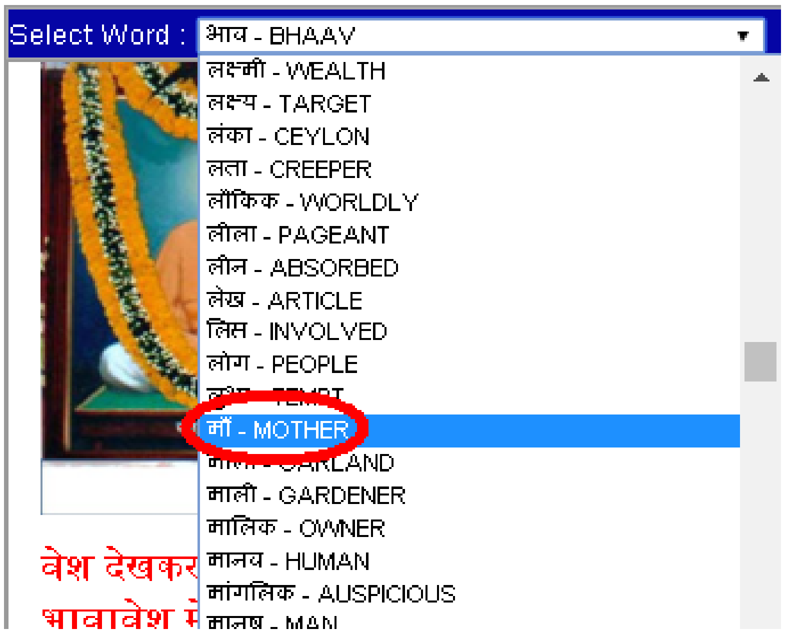

शब्द - माँ की वाणियाँ

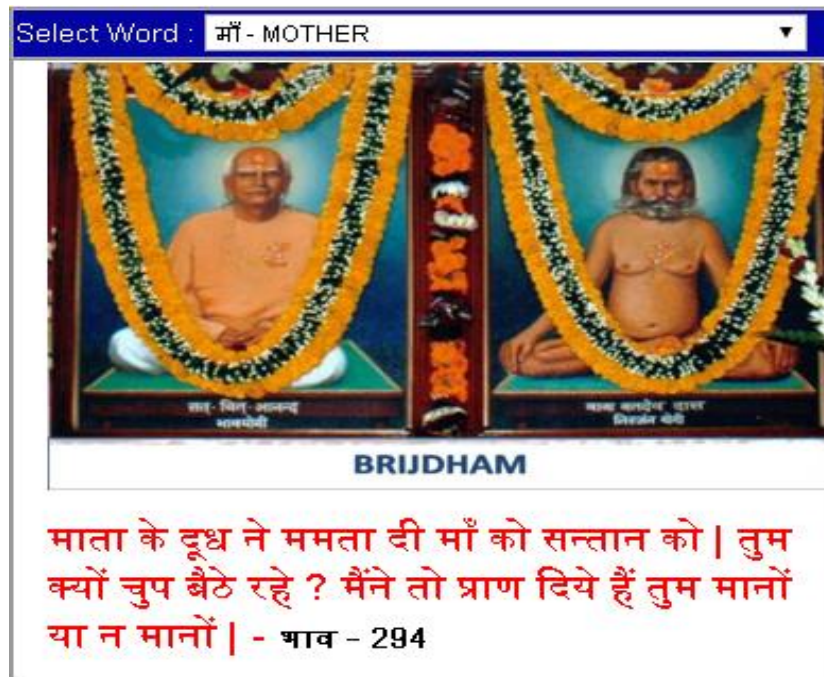

Developed By Shree Anand Matru Satsang,Bhayander(Mumbai)

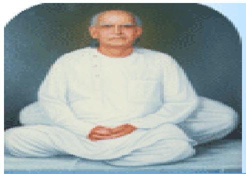

ANANDGHAN

भाव निर्झरिणी

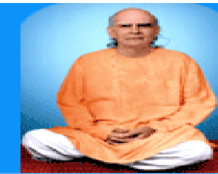

Bhav Nirjharini | SantMani | Sahitya | Sadan | Utsav

शब्द की सभी वाणियाँ क्रमबद्ध स्लाइड शो प्राप्त करें

(आप हिंदी शब्द की तैयार लाइब्रेरी से चयन कर सकते हैं)

शब्द - भाव

शब्द - भाव की वाणियाँ

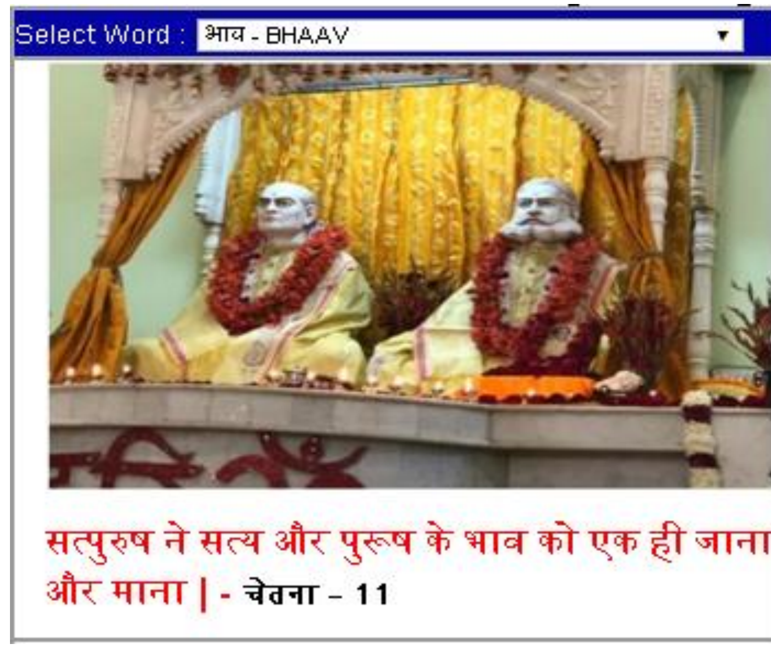

Developed By Shree Anand Matru Satsang,Bhayander(Mumbai)

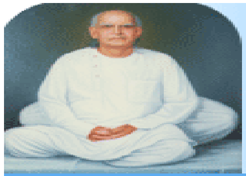

ANANDGHAN

भाव निर्झरिणी

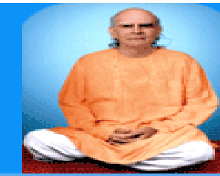

Bhav Nirjharini | SantMani | Sahitya | Sadan | Utsav

संतमणि -

(क्रम संख्या और अध्याय के नाम अनुसार)

आप मोबाइल पर पढ़ सकते हैं
और डाउनलोड भी कर सकते हैं

Select By SatMani Number

- Select By SatMani Number
- भूमिका
- संत परिचय
- उद्देश्य
- झंकार (01)
- त्याग और भोग (01)
- जीवन मरण (01)
- अवतारी भगवान और सत्य भगवान (01)
- चरित्र निर्माण (02)
- विश्वास (02)
- रंग (02)
- गुरु की महत्ता (02) 10.7.1968
- लक्ष्य - मन - लक्ष्मण (03)
- कुछ और सबकुछ (03)

Select By Chapter

- Select By Chapter
- भूमिका
- संत परिचय
- उद्देश्य
- आधार (09)
- आकर्षण (11)
- अर्थ (24)
- आरती (10)
- आश विश्वास (37)
- आषाढ सुदी बारस (18) 29.6.1966
- आषाढ सुदी बारस (21) 1973
- आशिर्वाद और नमस्कार (04)
- अभिव्यक्ति (35)
- अदृश्य भगवान (09)
- अमर नाम (34)
- अमृत धारा (24)
- अमृत (12)
- अनन्त भगवान (11)

Developed By Shree Anand Matru Satsang,Bhayander(Mumbai)

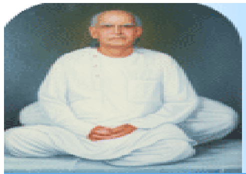

ANANDGHAN

भाव निर्झरिणी

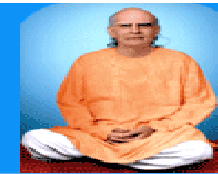

Bhav Nirjharini | SantMani | Sahitya | Sadan | Utsav

संतमणि -

डाउनलोड भी कर सकते हैं

SantMani | Select By SatMani Number | आधार (09)

Microsoft Word - Sant Mani No - 9   1 / 10

१०

आधार

(रविवार १०.११.७४)

किसी मनुष्य को बुलाने के लिये निमन्त्रण दिया जाता है और देवता को बुलाने के लिये आमन्त्रण दिया जाता है। निमन्त्रण और आमन्त्रण इन दोनों में क्या अन्तर है? आमन्त्रण – मंत्र, प्रार्थना आदि के द्वारा हम देवता को बुलाते हैं और निमन्त्रण तो जिसे हम श्रद्धा की दृष्टि से देखते हैं या अपना निकट सम्बन्धी मानते हैं – उसे देते हैं। यदि ये दोनों बातें देखी जाय तो यह कहना होगा कि आमन्त्रण होता है देवता के लिये और निमन्त्रण होता है व्यक्ति विशेष को कुछ खिलाने पिलाने के लिये, भगवान के लिये दोनों ही नहीं। भगवान को बुलाने के लिए क्या करना है? भ्रम मिटा और भगवान सम्मुख। जब तक मनुष्य भ्रम में पड़ा हुआ है तब तक यह संसार अनेक रूप दिखलाता है और भय दूर हुआ कि भगवान समीप। भ्रम दूर हुआ, भगवान समीप हैं।

कुछ लोगों का कहना है कि नाम जप करने से प्रभु का आगमन बहुत शीघ्र होता है। बात यह है कि मन को स्थिर करने के लिये नाम जपा जाता है। मन को लगाने के लिये नाम जपने से भी बढ़कर भीतर की एक

आप मोबाइल पर पढ़ सकते हैं

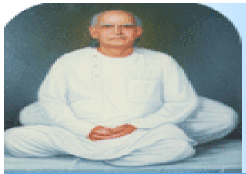

ANANDGHAN

भाव निर्झरिणी

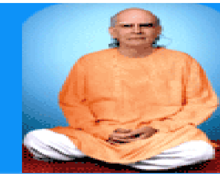

Bhav Nirjharini । SantMani । Sahitya । Sadan । Utsav

गुरुदेव द्वारा लिखित पुस्तकें

साहित्य

Sahitya ।

- Baba Vani
- Anand Path
- Anand Tarang
- Anand Dhwani
- Anand Samadhi
- Anand Pushp
- Bhav Yog

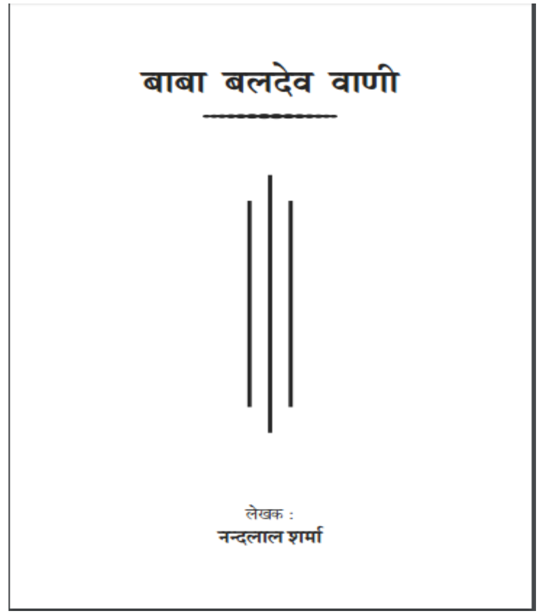

बाबा बलदेव वाणी

लेखक :
नन्दलाल शर्मा

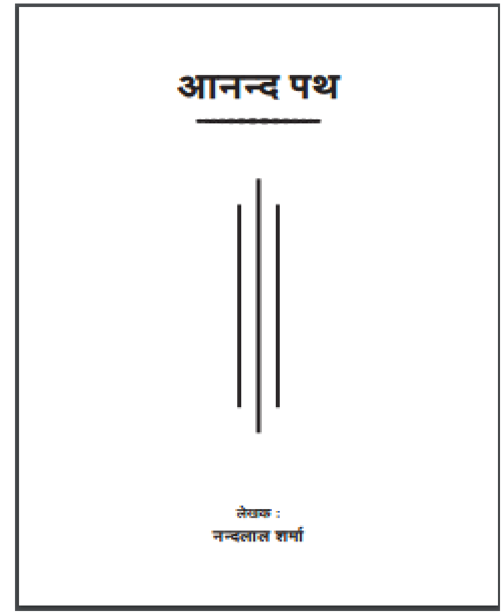

आनन्द पथ

लेखक :
नन्दलाल शर्मा

आप मोबाइल पर पढ़ सकते हैं
और डाउनलोड भी कर सकते हैं

Developed By Shree Anand Matru Satsang,Bhayander(Mumbai)

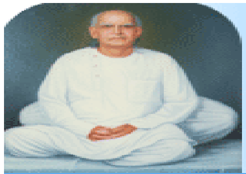

ANANDGHAN

भाव निर्झरिणी

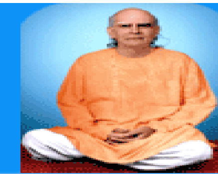

Satsang Sadan

सदन का नाम (उदघाटन वर्ष के साथ)

नेपाल (काठमांडू)-1974
नेपाल(वीरगजं) - 1983
अमेरीका (वर्जिनिया) - 2014
कानपूर - 2017
कोटा - 1994
कोलकाता -1962
कोलकाता (बृजधाम)-1995
खंडेला - 2016
गुवाहाटी - 1984
घाटशीला - 1980
चिड़ावा - 2010
चुरु - 2004

चेन्नई - 1995
जयपुर - 2001
जँसीडीह-2005
झुंझनू -1990
दिल्ली - 1998
दिल्ली- पालम विद्यालय-1985
नरहड - 2006
नागपुर - 2011
पिलानी - 2005
पुणे - 2010
मन्ड्रेला - 1978
मलसीसर - 1978

मुम्बई (अन्धेरी) - 1972
मुम्बई (बान्द्रा) - 1977
मुम्बई (भाईंदर)-2008
रामगढ - 2001
वृन्दावन - 1994
सरदार शहर -2016
सुजानगढ - 2008
हैदराबाद - 2004

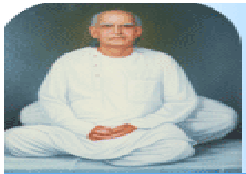

ANANDGHAN

भाव निर्झरिणी

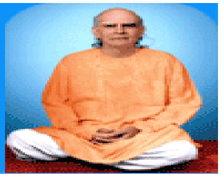

Bhav Nirjharini | SantMani | Sahitya | Sadan | Utsav

Satsang Sadan

सदन का नाम और पता

Satsang Sadan — Please select Satsang Sadan place

मुम्बई (भाईदर)
श्री आनन्द मातृ सत्संग
002-B type Nira Complex, New Golden Nest,bhayander(East)Thane -401105

Developed By Shree Anand Matru Satsang,Bhayander(Mumbai)

Developed By Shree Anand Matru Satsang,Bhayander(Mumbai)

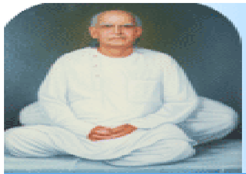

ANANDGHAN

भाव निर्झरिणी

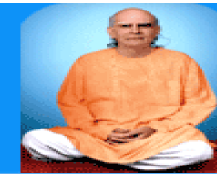

आगामी उत्सव हिंदी तिथि के अनुसार दिये गयें है
कृपया अंतिम जानकारी सबंधित सदनों से लें |

(Year-2019-2021.)

04/01/2020	दिल्ली, सन्त श्री नन्दलाल सत्संग भवन का वार्षिकोत्सव (उदघाटन-05/01/1998)	पौष सुदी नवमी	शनिवार	दिल्ली
06/01/2020	रामगढ,आनन्दघन सत्संग केन्द्र का वार्षिकोत्सव (उदघाटन-06/01/2001)	पौष सुदी एकादशी	सोमवार	रामगढ
08/01/2020	मलसीसर, सत्संग सदन का वार्षिकोत्सव (उदघाटन-22/01/1978)	पौष सुदी तेरस	बुधवार	मलसीसर
08/01/2020	सतगुरु आनन्दघन का जन्म दिवस (1909)	पौष सुदी तेरस	बुधवार	सब सदनो में
12/01/2020	कोटा,सन्त श्री नन्दलाल सत्संग भवन का वार्षिकोत्सव (उदघाटन-1994)	माघ बदी दूज	रविवार	कोटा
16/01/2020	पालम,दिल्ली(विद्यालय) ,सन्त श्री नन्दलाल सरस्वती विद्या मंदिर का	माघ बदी षष्ठी	गुरूवार	पालम,दिल्ली

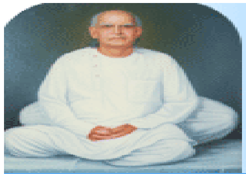

ANANDGHAN

भाव निर्झरिणी

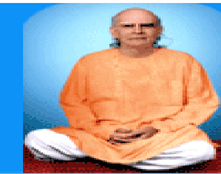

आगामी उत्सव

आगामी उत्सव (3 महीना)

अमेरीका (वर्जिनिया),आनंद कुंज का वार्षिकोत्सव (उदघाटन-08/06/2014) - ज्येष्ठ सुदी दशमी (गंगा दशहरा)
01/06/2020 - सोमवार - अमेरीका (वर्जिनिया) -

पुणे,मातृधारा आनन्द सत्संग का वार्षिकोत्सव (उदघाटन-24/06/2010) - ज्येष्ठ सुदी तेरस
04/06/2020 - गुरूवार - पुणे -

वीरगंज (नेपाल), श्री महिला सत्संग सदन का वार्षिकोत्सव (उदघाटन-1983) - आषाढ़ सुदी दूज (रथ यात्रा)
23/06/2020 - मंगलवार - वीरगंज (नेपाल) -

आगामी उत्सव हिंदी तिथि के अनुसार दिये गयें है कृपया अंतिम जानकारी सबंधित सदनों से लें |(Year-2019-2021.) (Email :- info@bhavnirjharini.com)

शहर ,
सत्संग सदन का नाम
वार्षिकोत्सव(हिन्दी तिथि)
अगले समारोह की तारीख
उदघाटन- तारीख (वर्ष)

सोये प्राणी को "चेतावनी" में संदेश मिलता है,
भक्ति की राह पर चलने के लिये उत्सुक प्राणी को
"भक्ति की चेतावनी" में दिशा बोध मिलता है |
रंग गया जिसका हृदय इष्ट के रंग मे जिसे वह
"भक्ति" की वाणी का रस पान कर "भाव" की वाणी में
आनन्द मगन होता है | भाव में गोता लगा कर प्रगट
होती भक्त की "चेतना" ज्ञान के पथ को प्रशस्त करती है|
“ज्ञान की चेतावनी" प्राणी की चेतना को सच्चे “ज्ञान”
में प्रविष्ट करा उसे अपने लक्ष्य तक पहुँचा देती है |

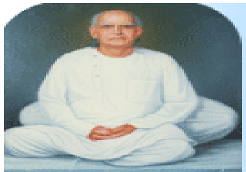

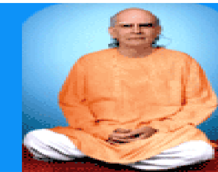

हम चाहते हैं :

आत्मानन्द का प्रसार ,
भक्ति ज्ञान का विहार ,
जीव मात्र का उद्धार ,
शान्ति एक्य का प्रचार |

-आनन्द घन

दो शब्द सुना जा,
बड़े प्यारे है|
"मैं तेरा हूँ"|

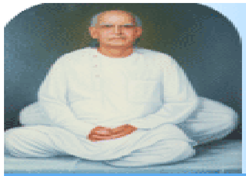

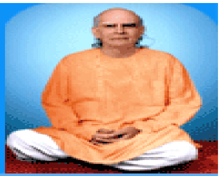

जिसके मधुर नाद से |
झंकृत सब तान है ||
संगीत से सरोबार |
हो रहा जहान है ||
उसको क्या क्या गान सुनायेँ |
सुरज को क्या दीपक दिखाएँ ||

किसी भी सुझाव के लिए संपर्क करें -

अंजू विनोद हरलालका **Email id : anjuhar@gmail.com**